October 2014 - March 2015 Vol. 8 (2) अक्तूबर 2014 - मार्च 2015 अंक 8 (2)

From Director's Desk

Women are the integral part of the society, without their holistic development, India could not achieve the goal of developed country. ICAR-CIWA is striving to empower farm women to gain access to resources and to create opportunities to lift their living standards, and to enable them to live improved quality of life through its Institutional research projects and AICRP on Home Science.The Institute is recently upgraded in XII plan period with it added opportunities, responsibilities and challenges. ICAR-CIWA has commercialized the technology 'DRWA Hand-operated Maize Dehusker cum Sheller' which is a women-friendly hand operated equipment for shelling and de-husking of maize with an output of 60 kg/hr. Considering the necessity of the technology for large scale adoption, the technology is commercialized with the primary objective of promoting localized production to ensure the availability of this technology to the farming community, for mitigaing the drudgery of farm women, and to promote the micro and small enterprises dealing with farm implements. The visit of Renowned Agricltural Scientist and the Father of Green Revolution , Padma Vibhusahn Dr. M. S. Swaminathan on 18th November, 2014 has been an enlightening experience to the staff of ICAR-CIWA. Institute organized Technology Week for Women in Agriculture and expanded its research to the farm women at village level through off campus and on campus programmes viz. Farmers - Scientists Interfaces, frontline training and demonstrations, knowledge debates and health camp which witnessed the participation of around a thousand farmers and farmwomen from various districts of Odisha. I congratulate to the scientific team of the ICAR-CIWA for their untiring hard work to strengthen the content of the newsletter for the benefit of our stakeholders.

S Srivastava
(S.K.Srivastava)

निदेशक की कलम से...

महिलाएं समाज का अभिन्न अंग है, एवं उनके समग्र विकास के बिना, भारत विकसित देश के लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकता। भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, संस्थागत अनुसंधान परियोजनाओं तथा गृह विज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के माध्यम से कृषक महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार लाने, उसके जीवन स्तर को उठाने, उन्हें सक्षम तथा सशक्त बनाने तथा संसाधनों तक उनकी पहुँच को बढ़ाने की दिशा में प्रयत्नशील है। बारहवी पंचवर्षीय योजना अवधि में संस्थान को अधिक अवसर, जिम्मेदारियों तथा चुनौतियों के साथ उन्नत किया गया है। भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं. ने 'DRWA हस्तचालित मक्का का छिलका एवं दाना निकालने के यंत्र' का वाणिज्यीकरण किया है, यह यंत्र महिलाओं के अनुकूल है जो कि ६० किलो/घण्टा की दर से मक्का का छिलका एवं दाना निकालता है। बड़े पैमाने पर इस प्रौद्योगिकी के एडोप्सन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, जिससे स्थानीय स्तर पर इस प्रौद्योगिकी की उपलब्धता कृषक समुदाय के लिए सुनिश्चित हो सके, कृषक महिलाओं का कठिन परिश्रम कम हो सके तथा सूक्ष्म तथा लघु उद्योगों विषेशकर कृषि औजार बनाने वालों को बढ़ावा मिल सके, इस तकनीकि/प्रौद्योगिकी का वाणिज्यीकरण किया गया। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एवं हरित क्रांति के जनक, पद्मविभूषण डा. एम. एस स्वामिनाथन ने १८ नवम्बर, २०१४ को संस्थान का दौरा किया, जो कि भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं. के कर्मचारियों के लिए एक शिक्षाप्रद अनुभव रहा। संस्थान के अनुसंधान को, परिसर के अन्दर तथा परिसर के बाहर विभिन्न गावों में अनेक कार्यक्रमों जैसे-किसान-वैज्ञानिक इंण्टरफेस, प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम, ज्ञान बहस, स्वास्थ्य शिविर आदि के माध्यम से 'कृषक महिलओं के लिए तकनीकि सप्ताह' के दौरान ले जाया गया जिसमें ओडिशा के विभिन्न जिलों के लगभग १००० किसानों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया। मैं भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं. के सभी वैज्ञानिकों को कृषक समाचार की सामग्री, उनके अथक प्रयास से मजबूत करने के लिए बधाई देता हूँ।

सन्तोष श्रीवास्तव
(एस. के . श्रीवास्तव)

RESEARCH HIGHLIGHTS

High Density and Meadow Orcharding of Guava

High density and meadow orcharding of guava was developed in 100m^2 area at ICAR- CIWA to improve the productivity and quality of fruits. In meadow orcharding, production starts from the first year of planting and the productivity is higher with superior fruit quality besides the ease of plant management. In this method planting of guava accommodates 5000 plants /ha at 1.0x 2.0 m spacing. The plant canopy was managed judiciously with regular pruning. Plants were topped after two months of planting i.e. in the month of October. After appearance of new shoots, 50 percent of the shoots were pruned again in December- January for further induction of new shoots. Growth initiated, flower differentiated, and well spread plant canopy was attained by the end of May. An average fruit weight 140g and yield of 2.5 kg/plant was recorded in third year of plantation. Meadow orcharding of guava is a women friendly technology in terms of ease of cultural operations facilitated by the manageable height of the plants. Pruned leaves were used for mulching as organic manure which reduced the cost of production.

अनुसंधान उपलब्धियाँ

अमरूद की उच्च घनत्व एवं मीडो बागवानी

फलों की उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए संस्थान परिसर में अमरूद की उच्च घनत्व एवं मीडो बागवानी लगभग 100 मीटर स्क्वैयर क्षेत्र में विकसित की गई है। मैदानी बागवानी में, उत्पादन रोपण के प्रथम वर्ष से ही शुरू होता है एवं उच्च गुणवत्ता के साथ-ही उत्पादकता भी बढ़ जाती है। इस प्रक्रिया से 1. 0-2.0 मीटर दूरी पर 5000 पौधे/प्रति हैक्टेयर की दर से रोपित किए जा सकते हैं। नियमित छंटाई के साथ कैनोपी प्रबंधन विवेकपूर्ण तरीके से किया गया। पौधों का रोपण दो महीने के अंतराल अर्थात् अक्टूबर माह से किया गया। नई कोपल निकलने के पश्चात्, लगभग 50 प्रतिशत कोपलों की पुनः छंटाई दिसंबर-जनवरी माह में की गई ताकि पौधे में नई कोपलें प्रस्फुटित हो पाएँ। मई माह के अंत तक अच्छे विकास एवं फूलों के खिलने के साथ-साथ पौधों में अच्छी कैनोपी प्राप्त कर ली गई। रोपण के तीसरे वर्ष में औसत प्रति फल भार 140 ग्राम एवं उत्पादकता 2.5 कि.ग्रा. प्रति पौधा अंकित की गई। अमरूद की मीडो बागवानी एक महिला किसान के लिए उचित तकनीकि है जो महिलाओं की शारीरिक बनावट के साथ-साथ पौधे की कम उँचाई के होने के मामले में यह महिला के अनुकूल प्रौधोगिकी है। छंटाई से प्राप्त हुए पत्ते पौधों की मल्चिंग एवं जैविक खाद के लिए उपयोग किए गए जिससे उत्पादन लागत कम हुई।

Fruits in meadow orcharding of Guava

Training to farm women

Fish silage as feed ingredient for layer quail birds (*Coturnix coturnix japonica*) and rohu (*Labeo rohita*) fingerlings

In Japanese quail (*Coturnix coturnix japonica*) layer birds and Rohu fingerlings fish silage replaced 25% (T1), 50% (T2) and 100% (T3) of the crude protein (CP)

मछली के अपशिष्ट से निर्मित साइलेज का बटेर एवं रोहू के लिए फीड घटक के रूप में प्रयोग

जापानी बटेर एवं रोहू मछली के भोजन में मत्स्य साइलेज द्वारा 25 प्रतिशत (T1), 50 प्रतिशत (T2) एवं 100 प्रतिशत (T3) अपरिष्कृत प्रोटीन प्रतिस्थापित किया गया। जिससे

of fish meal. By using fish silage as a replacement of fish meal in layer quail diets, a reduction in the feed cost /kg egg mass by 1.09%, 2.21% and 4.25%, could be attained in T1, T2 and T3, respectively. Egg quality was not significantly affected (P<0.05) by addition of silage upto the level of 12% (T3) of the diet. No characteristic fishy taint in the egg yolks could be observed through organoleptic evaluation of the eggs. Non toxicity of acid added fish silage to liver and kidney of quails observed. Non significant change in total serum protein, albumen, globulin, alkaline phosphatase, urea, creatinine, sodium and potassium values was found in the blood serum.

By 100% replacement of fish meal with fish silage, weight gain, weight gain %, specific growth rate, percentage survival and feed conversion ratio (FCR) in rohu fingerlings were not significantly (P>0.05) affected. Treatment group fishes had significantly higher (P<0.05) crude protein and fat in their tissue. A reduction in feed cost/kg weight by 4.08%, 14.31% and 13.71% could be attained replacement of the fishmeal with fish silage by 25%, 50% and 100%, respectively.

बटेर में प्रति अंडा फीड मूल्य में क्रमशः 1.09 प्रतिशत, 2-21 प्रतिशत एवं 4.25 प्रतिशत कमी आँकी गई। आहार में 12 प्रतिशत तक साइलेज की प्रतिस्थापना से अंडे की गुणवत्ता में प्रभाव नहीं पाया गया। अंडे में कोई मछली की दुर्गंध नहीं पाई गई। छोटी मछलियों के मत्स्य आहार का 100 प्रतिशत प्रतिस्थापन मत्स्य साइलेज से करने पर उनके वजन वृद्धि प्रतिशत, विकास दर, प्रतिशत उत्तरजीविता आहार, रूपांतरण अनुपात, में कोई प्रभाव (P>0.05) नहीं पाया गया। मत्स्य आहार के 25 प्रतिशत, 50 प्रतिशत तथा 100 प्रतिशत साइलेज के प्रतिस्थापन द्वारा आहार लागत/किलो वजन में क्रमशः 4.08 प्रतिशत, 14.31 प्रतिशत और 13.71 प्रतिशत की कमी प्राप्त की जा सकती है।

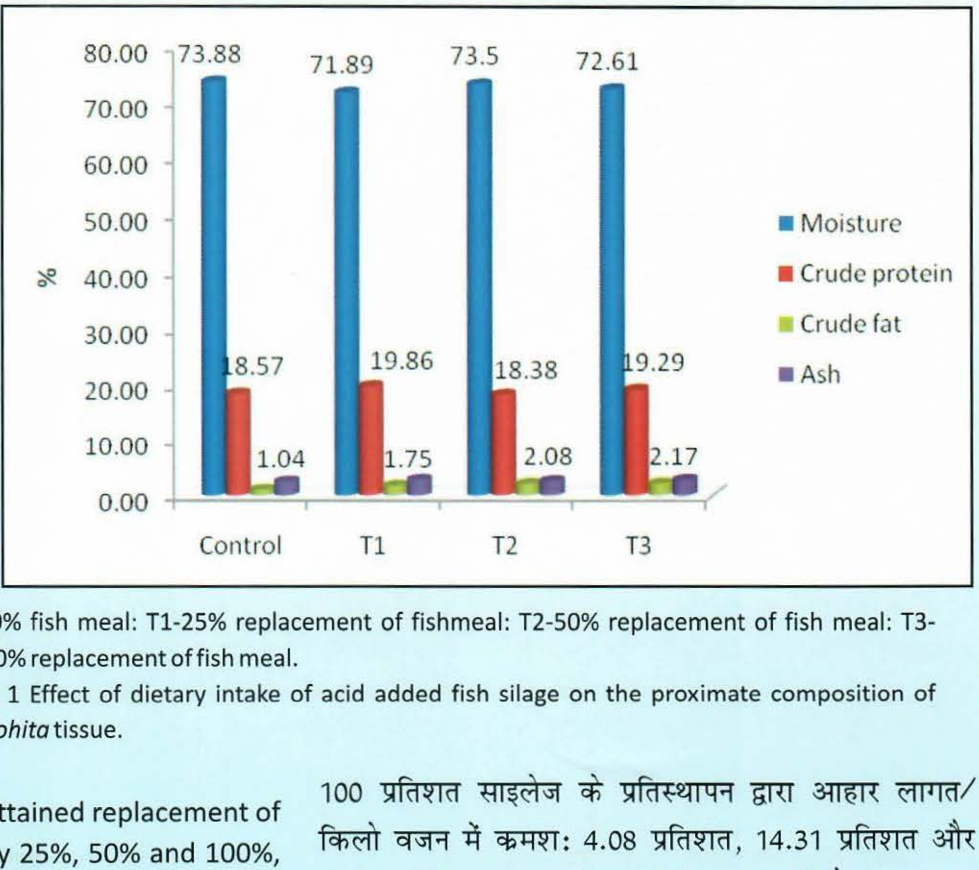

C-0% fish meal: T1-25% replacement of fishmeal: T2-50% replacement of fish meal: T3-100% replacement of fish meal.

Fig 1 Effect of dietary intake of acid added fish silage on the proximate composition of *L.rohita* tissue.

Gender role participation in finger millet cultivation and market channels

Gender role participation in finger millet cultivation was documented in production node, in Kundra block of Koraput district. About 54 per cent of the activities were performed by women, 30 per cent by men and 16 per cent were performed jointly. Major activities

मंडुआ की खेती और बाजार श्रृखंला में जैंडर भागीदारी

मडुआ उत्पादन में जैन्डर भूमिकाओं को मापने के लिए, कोरापुट जिले में कुंड्रा ब्लॉक के कांदुलगुडा गाँव में रागी की खेती करने वाले 30 कृषक परिवारों से आंकड़े एकत्र किए गए। मडुआ उत्पादन लगभग 54 प्रतिशत महिलाओं द्वारा, 30 प्रतिशत पुरूषों द्वारा एवं 16 प्रतिशत संयुक्त रूप

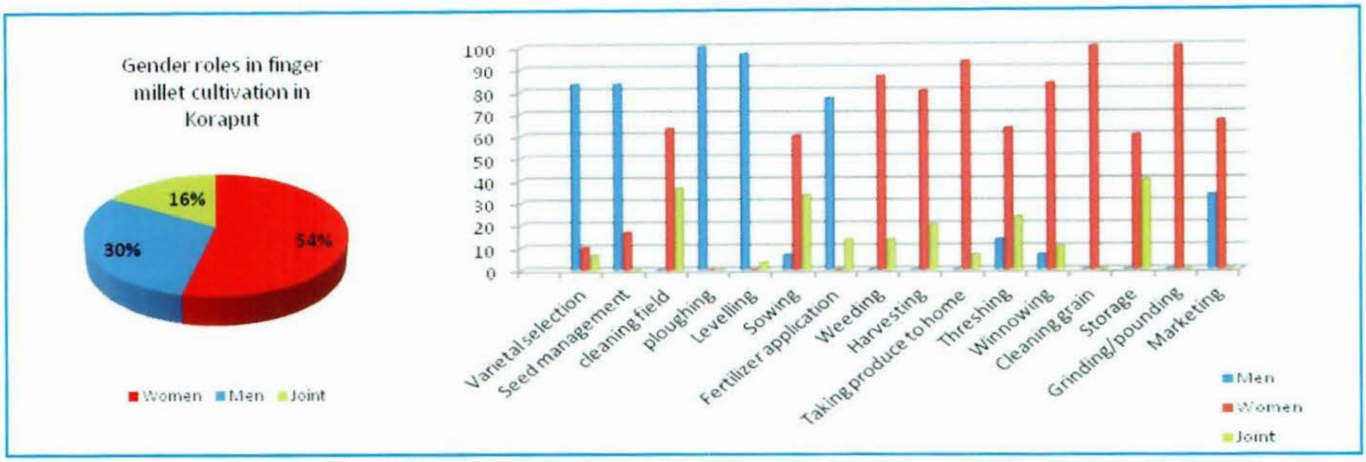

Fig.2 Gender role participation in finger millet cultivation in Koraput (N=30)

performed manually by women were seed management, cleaning the field, weeding, harvesting, bringing crop to home, threshing, winnowing, cleaning the grain, storage and pounding/taking to mill. Among the post production activities, threshing was perceived as the most drudgery prone activity followed by pulverizing and winnowing. Average working heart rate and energy expenditure for finger millet threshing activity was found to be 133.36 bpm and 12.48 Kj/min, respectively indicating the activity as heavy one. Severe pain in upper arm, shoulders, palm and moderate pain in lower back and neck was reported by women while threshing the finger millet with wooden log. Need is identified for introducing women friendly labour saving post production technologies like finger millet thresher and pulverizer for making the processing of finger millet easier and less labour intensive.

से कि जाता है। अधिकतर गतिविधियाँ जैसे बीज प्रबंधन, खेत की सफाई, निराई, कटाई, फसल को घर तक लाना, सूप से सफाई, अनाज की सफाई, भंडारण, चक्की पिसना, मिल तक ले जाना आदि महिलाओं द्वारा की जाने वाली क्रियाएँ हैं जो बिना किसी तकनीकि से की जाती है। महिलाओं द्वारा सबसे अधिक श्रम एवं थकान वाली गतिविधि भूसी निकालना आँकी गई जिसमें औसत हृदय गति दर एवं उर्जा खर्च क्रमश: 133.36 धड़कन प्रति मिनट और 12.48 कि.जूल/ मिनट पाया गया। कृषक महिलाओं द्वारा भूसी निकालने की क्रिया के दौरान उपरी बाँह, कंधे, हथेली में तीव्र एवं कमर व र्गदन में मध्यम श्रेणी के दर्द की शिकायत की गई। मडुआ की कृषि को महिला अनुकूल बनाने तथा श्रम दक्षता को बढ़ाने हेतु गहन प्रसंस्करण व आटा पीसने की मशीन की आवश्यकता मूल्यांकित की गई।

TRIBAL SUB PLAN

Skill Upgradation of Tribal Women

An awareness creation cum skill upgradation programme on homestead gardening was conducted at the tribal village Tarajodi in Shamakhunta block of Mayurbhanj district on 17th October, 2014. Mini kits of seeds such as Brinjal, Tomato, Cauliflower, Raddish, Green Peas and Green leafy vegetables were distributed to about 95 tribal farm families. Method demonstration of sunflower as intercrop in potato cultivation was carried out in the tribal village K. M. Bhalia Shahi in R. Udayagiri block of Gajapati district

जनजातीय उप-योजना

आदिवासी महिलाओं का कौशल उन्नयन

17 अक्टूवर 2014 को गृह वाटिका पर जागरूक सृजन सह कौशल उन्नयन कार्यक्रम मयूरभंज जिले के शामखुंता ब्लॉक के आदिवासी गाँव ताराजोड़ी में आयोजित किया गया। सब्जियों के बीज के मिनी-किट 95 आदिवासी कृषक परिवारों को वितरित किए गए। आलू की खेती के साथ ही सूरजमुखी की खेती का प्रदर्शन 30 सितंबर 2014 को गजपति जिले के आर.उदयगिरी ब्लॉक में आदिवासी गाँव के एम.भाल्या शाही में किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक

Input distribution in tribal village

on 30th December, 2014. A stakeholder meeting was organized and the hybrid seeds of sunflower were distributed to 25 tribal farm women. Nutritional assessment studies of women, children and adolescent girls are being carried out in the village Tarajodi in Shamakhunta block of Mayurbhanj district. An awareness creation cum skill upgradation programme on best practices in groundnut cultivation was conducted on 3rd January, 2015 in which, 1500 kg of certified seeds of groundnut were distributed to 50 tribal farm families (30 kg each).

हितधारक बैठक का आयोजन कर सूरजमुखी के संकरबीज का वितरण 25 आदिवासी कृषक महिलाओं को किया गया। मयूरभंज जिले के शामखुंता ब्लॉक के ताराजोड़ी गाँव में महिलाओं व बच्चों की पोषण स्थित मापी गई तथा 3 जनवरी 2015 को एक जागरूकता सृजन का सह कौशल उन्नयन कार्यक्रम दिया गया जिससे कृषक परिवारों को मूँगफली की खेती सिखाई गई तथा 50 आदिवासी कृषक परिवारों को 1500 कि.ग्रा. प्रमाणित बीज वितरित किए गए।

MAJOR EVENTS

XXI Biennial Workshop of AICRP on Home Science

The XXI Biennial workshop of All India Coordinated Research Project on Home Science was held at Prof. Jayashankar Telangana State Agricultural University, Hyderabad on 13th-14th February, 2015. One hundred sixty seven members from nine State Agricultural Universities from all components of Home Science, Deans; Scientists from ICAR-CIWA, Bhubaneswar; SMS from KVKs, Telengana region; eminent experts and other dignitaries attended the event. The purpose of the workshop was to review the progress of work, achievements and shortfalls for the period 2013-15 and to generate action plans for the period 2015-16 in the areas of Techno Socio Economic dimensions of women empowerment; Food & Nutrition security in selected farming systems; Drudgery assessment and mitigation; Mitigating occupational health hazards and Empowering agrarian families for quality life. The workshop was formally inaugurated by the Chief Guest of the function Dr. Arvind Kumar, Deputy Director General (Agricultural Education),

मुख्य आयोजन

गृहविज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 21वी द्विवार्षिक कार्यशाला का आयोजन

गृहविज्ञान पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 21वीं द्विवार्षिक कार्यशाला का आयोजन 13-14 फरवरी, 2015 को प्रो.जयशंकर तेलांगना राज्य कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद में किया गया। इस कार्यक्रम में अ.भा.स.प. के दस केन्द्रों के वैज्ञानिकों, ICAR-CIWA के वैज्ञानिकों, कृषि विज्ञान केन्द्र के विषयवस्तु विशेषज्ञों, विशेषज्ञों समेत कुल 167 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला का आयोजन विशेषत: 2013-15 अवधि के कार्य का मूल्यांकन, उपलब्धियाँ तथा कमियों के ऑकलन एवं 2015-16 के योजना निर्माण के उददेश्य से किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन डा अरविंद कुमार, उपमहानिदेशक शिक्षा अनुभाग, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली द्वारा किया गया। संस्थान की निदेशक एवं परियोजना संचालक, डा. नीलम ग्रेवाल द्वारा उद्घाटन व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। डा. वी. प्रवीण राव, रजिस्ट्रार एवं विशेष अधिकारी पं.ज.तेर. कृ.वि,

ICAR. The inaugural note was furnished by Dr. Neelam Grewal, Director, ICAR-Central Institute for Women in Agriculture & Project Coordinator, AICRP on Home Science. Presidential remarks were given by Dr. V. Praveen Rao, Registrar & Special Officer, P JSTAU, Hyderabad. An exhibition on Home Science technologies developed by different Centres was also organized.

XXI Biennial Workshop, Hyderabad

हैदराबाद ने मुख्य अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया। विभिन्न गृहविज्ञान संबंधी तकनीकों पर प्रदर्शनी का आयोजन भी इस अवसर पर किया गया।

ICAR-CIWA celebrates World Food Day

World Food Day was celebrated on 16th October , 2014 in Padasahi village of Bhubaneswar block of Khordha district. The theme of the year 2014 was 'Family Farming: Feeding the World, Caring for the Earth'. A multi-disciplinary sensitization exercise on significant roles of family farming in eradicating hunger and poverty, providing food security and nutrition, improving livelihoods, managing natural resources, protecting the environment and achieving sustainable development particularly in rural areas was undertaken in which about 70 farmers including 50 farm women participated. Dr. Anil Kumar, Sabita Mishra, Abha Singh and A. Shivaji coordinated the programme.

Technology Week for Women in Agriculture

Technology week for Women in Agriculture was celebrated by the ICAR-CIWA from 1st-8th December, 2014. As a part of the celebrations, six off-campus and one on-campus programmes were conducted. The off-campus programmes were conducted at six villages in different districts of Odisha namely Sakhigopal and Otarakera in Puri, Nagapada in Kendrapada, Tarajodi in Mayurbhanj, Haridamada in Khordha and Bajra Mahakali Pittra in Jhadeswarpur. The programmes included Farmers -Scientists Interfaces (6 Nos.) and demonstrations (4 Nos.) on seedling raising of vegetable crops in pro-trays, preparation of value added fish products, building of low cost vermicomposting unit and use of gender friendly farm

भा.कृ.अनु.प.-के.कृ.म.सं. द्वारा विश्व खाद्य दिवस का आयोजन

खुर्दा जिले के भुवनेश्वर ब्लॉक के पदाशाही गाँव में 16 अक्टूबर 2014 को विश्व खाद्य दिवस मनाया गया। वर्ष 2014 की विषय वस्तु थी – पारिवारिक कृषि। इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों जैसे भूख व गरीबी उन्मूलन, खाद्य सुरक्षा, आजीविका, प्राकृतिक संसाधन प्रवंधन, पर्यावरण सुरक्षा एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास की प्राप्ति में पारिवारिक खेती की महत्वपूर्ण भूमिका पर संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 50 कृषक महिलाओं समेत 70 कृषकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ अनिल कुमार, डॉ सबिता मिश्रा, डॉ आभा सिंह तथा डॉ शिवाजी अरगड़े ने किया।

कृषक महिलाओं हेतु तकनीकि सप्ताह का आयोजन

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान द्वारा कृषक महिलाओं के लिए तकनीकि सप्ताह का आयोजन 1-8 दिसंबर, 2014 को किया गया। समारोह में एक परिसरीय तथा छः बाह्य परिसर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का आयोजन पुरी जिले के साखीगोपाल एवं ओटराकेरा गाँव, केन्द्रापाडा के नागपाड़ा गाँव, मयूरभंज के ताराजोड़ी गाँव, खुर्दा के हरिडामड़ा गाँव तथा झाडेश्वरपुर के बाजरा महाकाली पिटर गाँव में किया गया। इन गाँवों में वैज्ञानिक-कृषक गोष्ठी (6) एवं प्रदर्शन कार्यक्रम (4) आयोजित किए गए जिसमें किसानों को प्रो-ट्रे में नर्सरी लगाना, कृमि खाद इकाई, मूल्य संवर्धित मत्स्य उत्पाद बनाना

tools. Knowledge debates were also conducted (5 Nos.) among farm women on role of women in agriculture, aquaculture and livestock technologies for rural women and rearing of backyard poultry. A Health Camp was organized at Bajra Mahakali Pittra in Jhadeswarpur, in collaboration with Department of Health, Salepur and a local NGO. Critical inputs like seeds of improved varieties of vegetables, planting materials of fruit trees and hybrid napier fodder crop, yellow sticky traps for effective pest management, and metallic grain storage bins to promote scientific storage were distributed to the farm families. About 1000 farmwomen, farmers and rural youth participated in the off-campus programmes, and showed keen interest in knowing about the research, extension and development activities of the Institute. As a part of the on-campus programme at the Institute, a sensitization workshop on nutrition gardening was organized on 6th December, 2014. About 60 farmwomen and farmers from Nimapara block of Puri district participated in the programme.

Technical talk on vermicomposting

आदि पर प्रशिक्षण दिया गया। कुक्कुट पालन, मत्स्य पालन व कृषि में महिलाओं की भूमिका विषयों पर ज्ञान तथा वाद-विवाद का आयोजन किया गया। झाड़ेश्वरपुर ब्लॉक के बज्र महाकाली पिटर गाँव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन स्वास्थ्य विभाग, सालेपुर तथा एक गैर-सरकारी संस्था के सहयोग से किया गया। सब्जियों के प्रमाणित बीज, नेपियर चाराघास के पौधे, कीट प्रबंधन के लिए पीला कीट ट्रैप, भंडारण बिन आदि कृषक परिवारों को वितरित किए गए। लगभग 1000 कृषक महिलाओं, कृषक तथा ग्रामीण युवाओं ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया। संस्थान के परिसर में पोषण के लिए गृह वाटिका पर एक संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन 6 दिसंबर, 2014 को किया गया जिसमें पुरी जिले के नीमापड़ा ब्लॉक के 60 कृषक महिलाओं एवं कृषकों ने भाग लिया।

Sensitization workshop on Nutrition

Inauguration of Training cum Manufacturing Unit for Farm Tools and Implements

The Training- cum- manufacturing unit for farm tools and implements (Under RKVY Project) was inaugurated on 22nd January, 2015 in the Institute Campus by the Principal Secretary, Dept. of Agriculture and Food production, Govt of Odisha Shri Rajesh Verma, IAS in the presence of Ex-Director, ICAR-CIWA, Dr (Mrs) Neelam Grewal, staff of ICAR-CIWA and the Members of RKVY Cell of Govt of Odisha.

कृषि यत्रों एवं उपकरणों पर प्रशिक्षण सह निर्माण इकाई का उद्घाटन

RKVY परियोजना के अंतर्गत कृषि यंत्र एवं उपकरणों की प्रशिक्षण सह-निर्माण इकाई का उद्घाटन 22 जनवरी, 2015 को प्रधान सचिव, कृषि एवं खाद्य उत्पादन, उड़ीशा सरकार, श्री राजेश वर्मा, आइ.ए.एस, द्वारा संस्थान की पूर्व निदेशक, डॉ श्रीमती नीलम ग्रेवाल, संस्थान के कर्मचारियों एवं RKVY उड़ीसा इकाई के कर्मचारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

Commercialization of the Institute Technology

The ICAR-Central Institute for Women in Agriculture (CIWA), Bhubaneswar has commercialized the technology 'DRWA Hand-operated Maize Dehusker cum Sheller' by entering into a Memorandum of Agreement (MOA) on non-exclusive basis with M/s Sai Shakti (Manufacturer of Agricultural Implements), Cuttack on 20th February, 2015.

संस्थान तकनीकि का व्यवसायीकरण

Commercialization of Technology

भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर द्वारा निर्मित तकनीकि हस्त चालित छिलका एवं बीज निकालने का यंत्र का व्यवसायीकरण 20 फरवरी 2015 को मैमोरेन्डम ऑफ एग्रीमैन्ट (MoA) द्वारा M/s सांई शाक्ति, कटक कृषि उपकरण निर्माणद्ध के सहयोग से किया गया।

ICAR-CIWA in Eastern Zone Sports Meet, 2014

The ICAR Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar participated in the ICAR Eastern Zone Sports Meet, 2014 held at ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibres (ICAR-CRIJAF), Barrackpore during 14th -17th October, 2014. The contingent of eight members participated in the events like, Badminton, Carrom, Chess, 200m Race, 800m Race, 5000m Cycle Race, Shot Put, Javelin Throw and Discuss Throw.

भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं. की पूर्वी अंचल के खेल मिलन समारोह में भागीदारी

भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर ने भा.कृ.अनु.प- CRIJAF, बैरकपुर द्वारा 14-17 अक्टूबर, 2014 को आयोजित पूर्वी अंचल खेल समारोह 2014 में हिस्सा लिया तथा विभिन्न खेल-कूद प्रतियोगिताओं जैसे बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, 200मी. दौड़, 800 मीदौड़, 500मी साइकिल दौड, शॉटपुट, भाला फेंक प्रतियोगिता आदि में संतोषजनक प्रदर्शन किया।

CONTINGENCY PLAN TO TACKLE FLOOD SITUATION IN ODISHA

Four districts *viz*, Mayurbhanj, Angul, Jajpur and Sambalpur of Odisha have been selected for contingency plan, based on their vulnerability to floods during monsoon season. Scientists from ICAR-CIWA have been regularly visiting the selected villages in the selected districts with an aim to understand the problem of farmers and to bridge the technological gap. In Nua Sahi village of Tikarpada block of Angul district, Scientist- Farmers Meetings and demonstrations in farmer's fields were organized for sensitizing the farm families about backyard farming to ensure their nutritional security and income enhancement. Technological interventions like supply of improved varieties, seed treatment techniques, seedling raising techniques, line sowing, crop diversification for enhancing crop productivity and getting remunerative price of produce were provided. For summer season, seeds of seasonal vegetables were distributed to 35 families.

ओडिशा में बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए आपातकालीन योजना

मानसून में आने वाली बाढ़ को झेलने वाले उड़ीसा के चार जिलों मयूरभंज, अनगुल, जाजपुर तथा संबलपुर को इस आपात योजना के अंतर्गत चुना गया। भा.कृ.अनुप- के.कृ.म.सं. के वैज्ञानिक निरंतर इन जिलों के गाँवों की कृषि संबंधी समस्याएँ पहचानने एवं तकनीकि सुझाव देने के उददेश्य से नियमित रूप से भ्रमण करते है। अनगुल जिले के टिकरपड़ा ब्लॉक के नुआशाही गाँव में कृषक-वैज्ञानिक गोष्ठी आयोजित की गई एवं कृषक परिवारों को पोषण एवं आय अर्जन के लिए गृहवाटिका लगाने के लिए जागरूक किया गया। कृषकों को उन्नत बीज, बीजोपचार तकनीक, नर्सरी लगाना, पंक्ति में बुवाई, फसल आदि तकनीकि प्रदान की गई। ग्रीष्म ऋतु में उगने बाली सब्जियों के उन्नत बीज

In Mayurbhanj district, tribal women of Tarajodi in Shamakhunta block were sensitized about the best practices in groundnut cultivation, weed management and the significance of earthing up, which should also be taken simultaneously with intercultural operations. In Jajpur district, discussion was held with farmers of the village Sankharidiha of Dharmasala block on the prospects of scientific fish farming in the village. Integrated fish- cum- fruits and vegetables cultivation on pond dykes for improving income was suggested. Farmers were advised to strengthen the pond bunds in order to protect the ponds from floods and also to prepare the dykes for horticultural operations.

35 परिवारों को वितरित किए गए। मयूरभंज जिले के ताराजोड़ी गाँव में कृषक महिलाओं को खरपतवार नियंत्रण, मूँगफली की खेती की तकनीकि आदि जानकारी दी गई। इसी प्रकार, जाजपुर जिले के धर्मशाला ब्लॉक के संखरीडीहा गाँव में वैज्ञानिक तरीके के मत्स्य पालन पर कृषक गोष्ठी की गई। यहाँ कृषकों को अधिक आय अर्जन के लिए मत्स्य सह फल-सब्जी की समेकित खेती करने को प्रोत्साहित किया गया।

Visit of scientist under contingency plan

EXTENSION ACTIVITIES/ TRAINING/ WORKSHOPS/ INTERFACE MEETING CONDUCTED

Technical Talk on Methodologies for Need Assessment in Skill Development Projects

A technical talk on 'Methodologies for need assessment in skill development projects' was organized by the Institute Technology Management Unit (ITMU) at ICAR-CIWA on 30th January, 2015. Prof. (Dr.) Amita D. Pandya, Faculty of Family and Community Sciences from the Maharaja Sayajirao University of Baroda, and an expert on skill assessment, elaborated on the various research methods and tools that can be used for need assessment in formulating skill development projects. A total of 20 participants, both Scientific and Technical staff of ICAR-CIWA participated in the programme.

Capacity Building Programme on Gender Mainstreaming in Integrated Watershed Management Programme (Consultancy)

The ICAR-CIWA, Bhubaneswar organized Capacity Building-cum-Skill Upgaradation Programme on Gender Mainstreaming in Integrated Watershed

प्रसार गतिविधियां/ प्रशिक्षण/ कार्यशाला/ गोष्ठी आयोजन

कौशल विकास परियोजना में आवश्यकता आँकलन के तरीके पर तकनीकि वार्ता

भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं. की संस्थान तकनीकि प्रबंधन इकाई द्वारा संस्थान में कौशल विकास परियोजना में आवश्यकता आँकलन के तरीके पर 30 जनवरी, 2015 को तकनीकि वार्ता आयोजित की गई। डा. अमिता पांडया, प्रोफेसर, महाराजा सियाजीराव विश्वविद्यालय, बडोदरा द्वारा विभिन्न अनुसंधान विधियों और उपकरणों पर विस्तृत वार्ता दी गई जिसमें भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं. के वैज्ञानिकों और तकनीकि कर्मचारियों सहित कुल 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम में जैन्डर को मुख्यधारा में लाने पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम कंसल्टैन्सी मोड

भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर द्वारा 9-25 फरवरी, 2015 के दौरान ओडिशा वाटरशेड विकास मिशन ;व्ॅक्डढ के जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन दल (WMT) सदस्यों के लिए

Management Programme for the Watershed Management Team (WMT) Members of Odisha Watershed Development Mission (OWDM) during 9th-25th February, 2015. The programme was carried out on consultancy mode with OWDM, as part of which 100 WMT members underwent capacity building programme. Dr. Sabita Mishra and Dr. J. Charles Jeeva, Senior Scientists coordinated the programme.

Participants of capacity building programme

"एकीकृत जलागम प्रबंधन कार्यक्रम में जन्डर मुख्यधारा" पर क्षमता निर्माण सह कौशल उन्नयन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम OWDM के साथ परामर्श मोड पर कराया गया जिसमें 100 WMT सदस्यों ने भाग लिया। संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, डा. सबिता मिश्रा एवं डा. चार्ल्स जीवा, ने कार्यक्रम का समन्वयन किया।

National Training Programme on Capacity Building of Farming Women

A National Training Programme on Capacity Building of Farming Women sponsored by State Institute for Management in Agriculture (SIMA), Lucknow, Uttar Pradesh was organized by ICAR-CIWA during 16th - 20th March, 2015. The programme was organized with the objective of strengthening the gender perspective in agricultural development, and for capacity building of about 22 extension officials of SIMA, NGOs and progressive farm women from Uttar Pradesh.The programme was inaugurated by Dr. S. K. Srivastava, Director (Acting). The programme was coordinated by Dr. Abha Singh, Dr. J. Charles Jeeva and Smt. Tanuja.S

Participants of training programme

कृषक महिलाओं के क्षमता निर्माण पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

भा.कृ.अनु.प-के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर द्वारा कृषक महिलाओं की क्षमता निर्माण पर, कृषि प्रबंधन संस्थान (SIMA) उत्तरप्रदेश द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 16-20 मार्च, 2015 को किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विकास में जैंडर को मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के 22 प्रसार कर्मचारियों, गैर सरकारी संस्थान व प्रगतिशील कृषक महिलाओं की क्षमता निर्माण करने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डा. एस.के. श्रीवास्तव, निदेशक कार्यकारी एवं समन्वय डा. आभा सिंह, डा. जे. चार्ल्स जीवा और श्रीमती तनुजा एस द्वारा किया गया।

Radio talk

Dr Sabita Mishra delivered radio talk on "SHG Gathan O' Parichalana" (SHG Formation and Management) broadcasted in AIR Cuttack on 12th March, 2015.

रेडियो वार्ता

डां. सबिता मिश्रा द्वारा 'स्वयं सहायता समूह का गठन एवं प्रबंधन, पर रेडियो वार्ता 12 मार्च 2015 को प्रस्तुत की।

Training Programmes for Farmers/Farm Women

A Scientists - Farmers Interface was organized on 5th December, 2014 at Otarakera village of Puri district on

किसानों / कृषक महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषक महिलाओं के लिए तकनीकी सप्ताह के दौरान वैज्ञानिक-किसान इण्टरफेस का आयोजन 'IPM में जेन्डर

Scientist Farmers Interface

the occasion of Technology Week for Women in Agriculture Dr. L. K. Rath, Professor Entomology was the Chief Guest of the Interface. A total number of 122 farmers/farmwomen and youth attended the Interface. A Quiz competition was also organized and winners of the competition were awarded at the Institute.

An awareness and training programme on Post Harvest Technologies in collaboration with Central Warehousing Corporation, Ministry of Consumer Affairs, Food & Public distribution, Govt. of India, for 45 farmers/farmwomen, was organized on 22nd 23rd December, 2014 at Guptpada village. Participation Certificate and metal storage bin of 220 kg capacity was distributed to all the participants.

A capacity building programme for farm women and rural youth on IPM was organized at Otarakera village of Puri district in Odisha on 4th March, 2015 in which 30 farmwomen and rural youth including two Krishi Rakshak participated

A capacity building programme for farm women and rural youth on IPM at Kaimati village of Dhenkanal district in Odisha was organized on 31st March, 2015 in which 30 stakholders including farmwomen and rural youth participated.

One day training cum demonstration programme on Preparation of farm made aqua and poultry feed was conducted on 25th March, 2015 at ICAR-CIWA. 15 rural women from Kaimundi village of Cuttack

Capacity Building of Farm Women

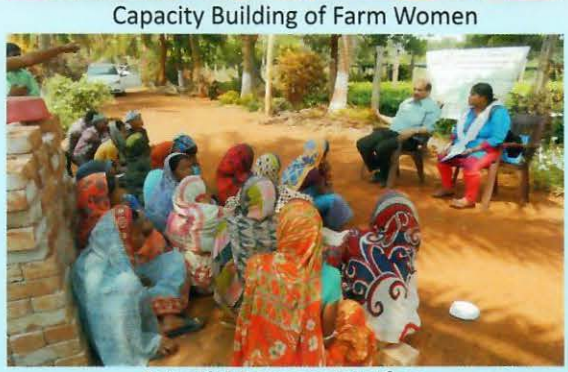

Scientist Farmers Interface

संबंधित मुददे एवं उनका निदान' परियोजना के अर्न्तगत 5 दिसम्बर, 2014 को पुरी जिले के ओटराकेरा गॉव में किया गया। डा. एल के रथ, प्रोफेसर कीट विज्ञान इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। कुल 122 प्रतिभागियों ने इस गोष्ठी में भाग लिए।

पोस्ट हारवेस्ट तकनीकि पर एक जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन, भारत सरकार के सहियोग से 22-23 दिसम्बर, 2014 को गुप्तपाड़ा गॉव में किया गया। जिसमें 45 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र एवं 220 किलो क्षमता के भण्डारण बिन प्रदान किए।

एकीकृत नाशी जीव प्रबन्धन पर कृषक महिलाओं एवं ग्रामीण युवाओं के क्षमता निर्माण हेतु एक कार्यक्रम का आयोजन 4 मार्च, 2015 को पुरी जिले के ओटराकेरा गॉव में तथा 3 मार्च, 2015 डेंकानल जिले के केमाती गॉव में किया गया जिसमें कुल 60 प्रतिभागियो ने भाग लिया।

district, Odisha were trained to prepare farm made aqua and poultry feed using locally available ingredients.

Scientists- Farmers Interface was conducted on 31st March, 2015 at two different orchards of Dhenkanal in which more than 50 farm workers including farm women participated.

एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रर्दशन कार्यक्रम 'फार्म निर्मित मत्स्य एवं कुकुट खाद्य निर्माण' का आयोजन 25 मार्च, 2015 को संस्थान में किया गया जिसमें कटक जिले के केमुन्डी गॉव की 15 महिलाओं ने भाग लिया।

डेंकानल जिले में 31 मार्च, 2015 को एक वैज्ञानिक–कृषक इण्टरफेस का आयोजन किया गया जिसमें 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

HINDI RAJBHASHA

Quarterly workshops in Hindi on हिन्दी में पत्राचार एवं प्रयोग में होने वाली सामान्य गलतियाँ कार्यालय में राजभाषा हिन्दी को कारगर ढंग से लागू करने तथा राजभाषा अधिनियम / नियमों के अनुपालन सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में आने वाली कठिनाईयों एवं समाधान was conducted at ICAR-CIWA on 30th December, 2014 and 29th January, 2015, respectively.

A new initiative has been taken to bring together locally situated institution of research and higher education in science and technology on a single platform to deliberate upon and share the significant work being carried out through exchange of ideas for making way for future research planning. In these lines, the ICAR-CIWA in collaboration with four other nationally important institutions *viz.,* CSIR- Institute of Minerals & Materials Technology, National Institute for Science Education and Research, Institute of Physics, Institute of Life Sciences organised a seminar in Hindi on "Make in India through Science and Technology", on 27th March, 2015 at IMMT, Bhubaneswar, wherein around 100 delegates from 10 institutions participated and deliberated upon. The programmme was organised by Dr. S.K. Srivastava, Director (Acting) jointly with the Directors of co-organising institutions. The seminar was conducted by Shri V. Ganesh Kumar, AAO & OIC-Rajbhasha as co-Convenor from ICAR-CIWA.

हिन्दी राजभाषा

हिन्दी में पत्राचार एवं प्रयोग में होने वाली सामान्य गलतियाँ एवं कार्यालय में राजभाषा हिन्दी को कारगर ढंग से लागू करने तथा राजभाषा अधिनियम/ नियमों के अनुपालन सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में आने वाली कठिनाईयों एवं समाधान पर संस्थान में कमशः 30 दिसंबर, 2014 एवं 29 जनवरी, 2015 को तिमाही कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। भुवनेश्वर के कई अनुसंधान एवं उच्च शिक्षा केन्द्रों की उपलब्धियों, महत्वपूर्ण वैज्ञानिक कार्यो आदि को साझा करने हेतु वैचारिक आदान-प्रदान के लिए एक मंच बनाने की नई पहल शुरू की गई। इसका प्रारंभ करने के उददेश्य से भा.कृ.अनुप- केन्द्रीय कृषिरत महिला अनुसंधान ने चार अन्य राष्ट्रीय स्तर के महत्वपूर्ण संस्थानों CSIR-खनिज और सामग्री तकनीकि संस्थान, विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय संस्थान, भौतिकी संस्थान, जीव विज्ञान संस्थान – के सहयोग से विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यमसे भारत में निर्माण – विषय पर हिन्दी में एक संगोष्ठी का आयोजन 27 मार्च, 2015 को आई.एम.एम.टी., भुवनेश्वर में किया। कार्यक्रम में 10 संस्थानों के 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के कार्यकारी निदेशक डा.एस.के.श्रीवास्तव द्वारा अन्य सहभागी संस्थानों के निदेशकों के साथ किया। भा.कृ.अनु.प – के.कृ.म.सं. से श्री वी.गणेश कुमार ने इस कार्यक्रम का समन्वयन किया।

SWACHH BHARAT MISSION

Initiated on 2nd October on ICAR-CIWA campus. All staff members participated in "Swachhata Abhiyan" and clean the campus surroundings and roads". As part of the ongoing campaign on "Swachhata Abhiyan" for creating awareness and sanitation in rural villages, the ICAR-CIWA, Bhubaneswar, organized a cleanliness drive at a remote tribal village *viz.*, K.M. Bhalia Shahi in R. Udayagiri block of Gajapati district on 27th October, 2014. About 120 villagers including children, women and men from tribal farm families

स्वच्छ भारत मिशन

ग्रामीण परिवारों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उददेश्य से भा.कृ. अनु.प – के.कृ.म.सं., भुवनेश्वर ने गजपति जिले के एक दूरस्थ आदिवासी गाँव के.एम. भाल्याशाही में 27 अक्टूबर, 2014 को एक सफाई अभियान का आयोजन किया। कुल 120 आदिवासी पुरूष, महिलाओं व बच्चों ने सफाई गतिविधियों में भाग लिया। संस्थान में नव वर्ष 2015 के उपलक्ष्य में मानव श्रृंखला

actively participated in the cleaning activities. On the occasion of New Year 2015, a human chain formation and sensitization on hygiene and sanitation followed by oath taking on keeping the premises clean was organized in the Institute. The Staff Recreation Club of ICAR-CIWA organized a cleanliness drive at a coastal village, Peer Jahania, Astrang Block of Puri District on 10th January, 2015. The staff members of the ICAR-CIWA accompanying their family members participated in the cleanliness drive and cleared the garbage and food waste in and around the area, where most of the tourists visit. Director, CIWA led the cleanliness programme.

Human Chain on 1st January, 2015

Swachata Bharat Mission in Village

निर्माण एवं संस्थान परिसर में सफाई रखने पर शपथ समारोह का आयोजन किया गया। स्टाफ मनोरंजन क्लब द्वारा पुरी जिले के अस्तरंग ब्लॉक के पीर जानिया गाँव में संस्थान निदेशक डा. नीलम ग्रेवाल के नेतृत्व में 10 जनवरी, 2015 को सफाई अभियान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों ने अपने परिवारिक सदस्यों सहित भाग लिया तथा चारों तरफ बिखरे कचरे एवं खाद्य अपशिष्ट की सफाई की।

DISTINGUISHED VISITORS

विशिष्ट आगंतुक

Renowned Agricultural Scientist and the Father of Green Revolution, Padma Vibhushan Dr M.S.Swaminathan visited the ICAR-Central Institute for Women in Agriculture, Bhubaneswar on 18th November, 2014. Appreciating the work being carried out in the Institute, Dr. Swaminathan strongly advocated establishment of a unit for 'Policy Planning and Gender Issues' in the Institute.

Visit of Dr. M. S. Swaminathan

प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एवं हरित क्रांति के जनक पद्म विभूषण डा. एम. एस.स्वामीनाथन ने भा.कृ.अनु.प – के.कृ.म.सं. का 18 नवंबर, 2014 को दौरा किया। संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए डा. स्वामीनाथन ने संस्थान में नीति नियोजन एवं लैंगिक मुददों पर इकाई की स्थापना की वकालत की।

RETIREMENT/NEW JOINING/PROMOTION

- Shri G.S. Rao, Administrative Officer retired from service upon superannuation on 31.10.2014
- Dr. Neelam Grewal, Director, relieved to join the post of Dean, PGS, Punjab Agricultural University, Ludiana, on 24.02.2015
- Dr. S. K. Srivastava joined as Director(Acting), ICAR-CIWA on 25.02.2015
- Dr. Argade Shivaji Dadabhau joined as Scientist (Agricultural Extension) on 13.10.2014.
- Dr. Jyoti Nayak, Senior Scientist (Home Science) promoted from PB-3 RGP: 8000/- to PB-4 RGP: 9000/- w.e.f. 07.07.2012.
- Dr. Abha Singh, Scientist (Food & Nutrition) promoted to Senior Scientist from PB-3 RGP: 8000/- to PB-4 RGP: 9000/- w.e.f. 22.11.2013.

सेवानिवृत्ति/ नियुक्ति/ पदोन्नति

- श्री जी.एस.राव, प्रशासनिक अधिकारी, दिनांक 31.10.2014 को सेवानिवृत्त हुए।
- डॉ. नीलम ग्रेवाल, निदेशक, भा.कृ.अनु.प – के.कृ.म.सं. को दिनांक 24.02.2015 को अधिष्ठाता, पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज़, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के पद पर नियुक्त होने पर संस्थान से भारमुक्त किया गया।
- डा. एस के श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक ने भा.कृ.अनु.प–के.कृ.म.सं. के निदेशक ; कार्यकारी का पदभार 25.02.2015 को ग्रहण किया।
- डा. अरगडे शिवाजी दादाभाउ, वैज्ञानिक ;कृषि विस्तार 13.10.2014 को संस्थान में नियुक्त हुए।
- डा. ज्योति नायक, वरिष्ठ वैज्ञानिक ;गृह विज्ञान को 07.07.2012 से वेतनमान 8000/– से 9000/– के लिए पदोन्नत किया गया।
- डा. आभा सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक ;खाद्य पोषण को 22.11.2013 से वेतनमान 8000/– से 9000/– के लिए पदोन्नत किया गया।

PARTICIPATION IN TRAINING/ CONFERENCE/ WORKSHOP/ SEMINAR/EXHIBITION

Sl no	Name of the trainings/ conferences/ symposia/ workshops/ seminars	Venue	Organised by	Duration and Date	Name of participating scientist
1	7th Workshop of AICRP on Ergonomics and Safety in Agriculture	Dr. Balasaheb Sawant Konkan Krishi Vidyapeeth, Dapoli	ICAR-CIAE, Bhopal	9th - 11th October, 2014	Dr Jyoti Nayak and Dr Kushagra Joshi
2	*Training Programme on Pest Surveillance*	*National Institute of Plant Health Management, Hyderabad.*	*National Institute of Plant Health Management, Hyderabad.*	*9-16 October, 2014,*	Dr S. K. Srivastava
3	RFD Mid Term Review Workshop	DKMA, Division of Agricultural Extension	ICAR, New Delhi	14th October, 2014	Ms Gayatri Moharana
4	International Symposium on Innovations in Horticulture for Nutritional Security, Conserving Biodiversity and Poverty Alleviation	Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow (U.P.).	Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow (U.P.).	16th-18th October, 2014	Dr Naresh Babu
5	Exhibition on the occasion of ICAR Institutes-SAU State Department Interface Meet	ICAR-Central Rice Research Institute, Cuttack	ICAR-CRRI, Cuttack	21st-22nd October, 2014	Dr Sabita Misra and Dr Abha Singh
6	International Seminar on Prioritizing Integrating agriculture & Allied Research: Future Potentials for Secure Livelihoods,	Centre for Human Resource Development (FTC- Lake Hall), Kalyani BCKV, Nadia, West Bengal.	Crop and Weed science Society, B.C.K.V. Mohanpur, West bengal.	6th-9th November, 2014	Dr S. K. Srivastava
7	10th Indian Fisheries and Aquaculture Forum	ICAR-National Bureau of Fish Genetic Resources, Lucknow	ICAR-NBFGR, Lucknow	12th-15th November, 2014	Dr Anil Kumar and Mrs Tanuja.S
8	Guava Field Day	ICAR-Central Horticulture Experiment Station, Bhubaneswar	ICAR-CHES, Bhubaneswar	14th November, 2014	Dr Naresh Babu
9	India International Trade Fair 2014	Pragati Maidan New Delhi	Govt. of India	14th-17th November, 2014	Dr S.K.Srivastava Dr H.K.Dash and Dr Ananta Sarkar
10	Winter School on Drudgery reduction technologies for farm women and farm workers through enhanced efficiency, productivity and occupational safety in agriculture	Maharana Pratap University of Agriculture & Technology , Udaipur	MPUAT, Udaipur	12th November, 2014 to 2nd December, 2014	Ms Gayatri Moharana and Dr Kushagra Joshi

11	Interaction Meet on Emerging pest and diseases of horticultural based cropping system in Eastern India	ICAR-Central Horticulture Experiment Station, Bhubaneswar Bhubaneswar,	ICAR-IIHR: Central Horticultural Experiment Station (CHES) and Applied zoologists research association (AZRA)	27th November, 2014	Dr S. K. Srivastava
12	International Conference on Innovative Insect Management Approaches for Sustainable Agro Eco System (IIMASAE)	Tamilnadu Agriculture University, Madurai	Department of Agricultural Entomology, Agricultural College and Research Institute, Tamil Nadu Agricultural University, Madurai	27th -30th January, 2015	Dr S. K. Srivastava
13	World Ocean Science Congress	Kochi	KUFOS, Kerala	5th-8th February, 2015	Mrs Tanuja.S
14	National Entomologists' Meet	ICAR-Indian Institute of Natural resins and Gums, Namkum, Ranchi	Society for Advancement of Natural Resins and Gums; ICAR-Indian Institute of Natural resins and Gums and Network project on Conservation of Lac Insect Genetic Resources	5th -7th February, 2015	Dr S. K. Srivastava
15	International Conference on Management of Sustainable Livelihood Systems	Orissa University of Agriculture & Technology, Bhubaneswar	INSEE, Maharashtra	14th-17th February, 2015	Dr Sabita Mishra and Dr Ananta Sarkar
16	XXI Biennial Workshop of AICRP on Home Science	Prof. Jayshankar Telangana State Agriculture University, Hyderabad	ICAR-CIWA, Bhubaneswar and PJTSU, Hyderabad	13th -14th February, 2015	Dr Jyoti Nayak and Ms Gayatri Moharana
17	17th Annual Conference of Society of Statistics, Computer and Applications (SSCA)	Birla Institute of Management and Technology (BIMTECH)	Birla Institute of Management and Technology (BIMTECH)	23rd-25th February, 2015	Dr H.K.Dash and Dr Ananta Sarkar
18	Training Workshop for HRD Nodal Officers	NAARM, Hyderabad	NAARM, Hyderabad	26th February, 2015	Dr Charles Jeeva
19	Inception Workshop on Consortia Research Platform on Water	ICAR- Indian Institute of Water Management, Bhubaneswar	ICAR- Indian Institute of Water Management, Bhubaneswar	26th March, 2015	Ms Gayatri Moharana
20	Seminar in Hindi on Make in India through Science and Technology	Institute of Minerals & Materials Technology, Bhubaneswar	ICAR-CIWA, IIMT, ILS and NISER, Bhubaneswar	27th March, 2015	Dr Naresh Babu Dr Jyoti Nayak Dr Abha Singh Dr Ananta Sarkar Smt Tanuja.S Ms Gayatri Moharana and Dr Kushagra Joshi

PROGRAMMES ATTENDED BY THE DIRECTOR, ICAR-CIWA

Sl. No.	Programme	Date	Place
1	Commonwealth Parliamentary Association Workshop on Agriculture Committees	29th 30th October, 2014	Chandigarah
2	6th Indian Horticulture Congress	6th -9th November,2014	TNAU, Coimbatore
3	Meeting of Management & Monitoring Committee for Women in Agriculture of DAC	12th November, 2014	New Delhi
4	Task Force Meeting on Micro nutrient	11th December, 2014	New Delhi
5	National Seminar on Economic opportunities for youth in farming that provide alternatives to migration to urban areas	18th -19th December, 2014	BAU, Sabour, Bihar
6	Meeting of the Fifth Deans Committee on Home Science for Higher Agricultural Education in India	22nd - 23rd December, 2014	G.B.P.U.A&T, Pantnagar
7	Workshop - cum- Brainstorming on Optimizing Talent Search for NARES	15th - 18th January, 2015	NDRI, Karnal
8	Jury Member in the Jury convention of Mahindra Samriddhi India Agri Awards	23rd January, 2015	New Delhi
9	Talk on Empowerment of women in agriculture during 12th ASC	6th February, 2015	NDRI, Karnal
10	Biennial Workshop of AICRP on Home Science	13th 14th February, 2015	PJTSAU, Hyderabad
11	Hindi Scientific Sangosthi on Make in India - Role of Science and Technology in collaboration with ICAR-CIWA, Institute of Life Sciences, Institute of Physics, NISER and CSIR-IMMT	27th March, 2015	CSIR-IMMT, Bhubaneswar

Editors : Dr. (Smt.) Abha Singh
: Smt. Tanuja. S
: Dr. Kushagra Joshi

Published by : Dr. S.K. Srivastava, Director (Acting)
ICAR- Central Institute for Women in Agriculture
Baramunda, Bhubaneswar -751 003, Odisha, Phone- 0674-2386241
Fax- 0674-2386242

Email : director.ciwa@icar.gov.in

Website : http://www.icar-ciwa.org.in

सम्पादक : डा. (श्रीमती) आभा सिंह
: श्रीमती तनुजा. एस
: डा. कुशाग्रा जोशी

प्रकाशन : डा. एस. के. श्रीवास्तव, निदेशक (कार्यकारी)
भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान,
डाकघर–बरमुण्डा, भुवनेश्वर – ७५१ ००३, ओडिशा
दूरभाष : ०६७४–२३८६२४१,
फैक्स : ०६७४–२३८६२४२

ई-मेल : director.ciwa@icar.gov.in

वेबसाइट : http://www.icar-ciwa.org.in